Title: Need to formulate a comprehensive plan to check the inundation caused in Bihar in the rainy seasons due to flow of river waters originating in Nepal-Laid.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : अध्यक्ष महोदय, बिहार गंगा के बेसिन में बसा राज्य है और गंगा इस देश की जीवन दायिनी है, किंतु बिहार इसके किनारे बसा होने के बावजूद पिछड़ा हुआ है। राज्य में उपलब्ध संसाधनों के संबंध में भ्रांतियां हैं और उसका सही उपयोग नहीं हो पा रहा है। नेश्नल वाटर डेवलपमेंट एजेंसी ने कतिपय नहर परियोजनाएं बनाकर गंगा के जल को अन्यत्र भेजने की योजना बनायी है। वस्तुतः उनको लगता है कि गंगा में बिहार की आवश्यकताओं से अधिक जल है। अतः उसे दूसरी ओर मोड़ा जाना चाहिए परंतु वास्तविकता यह नहीं है। गंगा का जल तो बिहार की आवश्यकता से कम ही उपलब्ध है। हां, नेपाल से आने वाली नदियों द्वारा वर्ा काल में आने वाला जल अवश्य विनाश का कारण है। मेरा सुझाव है कि सरकार इन नदियों के वर्ा काल के जल के संबंध में विस्तृत आंकलन कराए और आवश्यकता से अधिक पाए जाने वाले जल को मोड़ने के लिए योजना बनाए तो निश्चित रूप से न केवल बिहार को लाभ होगा बल्कि देश को लाभ होगा। पंजाब एवं हरियाणा के समान बिहार भी ऐसा राज्य हो जाएगा, जो देश की खाद्यान्न की आवश्यकता को पूरा करने में पूरी मदद करेगा।